

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3182

A

Unique Paper Code : 12277606

**Name of the Paper : MONEY AND FINANCIAL
MARKETS**

Name of the Course : BA (HONS) ECONOMICS

Semester : VI – CBCS DSE

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. All questions carry equal marks.
3. Answer any **FIVE (5)** questions.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. सभी प्रश्नों के बराबर अंक हैं ।
3. किन्हीं पाँच (5) प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. (a) Define money according to the 'a priori or theoretical approach' and 'empirical approach'. Which do you think has a greater analytical appeal and why? (7)

(b) What is the residency criterion used in the financial aggregate of the IIIrd Working Group of the RBI? Why are the postal deposits considered as part of Liquidity Aggregates? (8)

(अ) 'प्राथमिक या सैद्धांतिक दृष्टिकोण' और 'अनुभवजन्य दृष्टिकोण' के अनुसार मुद्रा को परिभाषित करें। आपको क्या लगता है कि किसकी विश्लेषणात्मक अपील अधिक है और क्यों?

(ब) भारतीय रिजर्व बैंक के तीसरे कार्य समूह के वित्तीय समुच्चय में उपयोग किया जाने वाला निवास मानदंड क्या है? डाक जमा को तरलता समग्र का भाग क्यों माना जाता है?

2. (a) The principal Agent problem in Equity Contracts explains why debt contracts are more prevalent in financial markets than Equity Contracts. Does use of debt contracts solve the Moral Hazard problem? (8)

(b) Discuss the Liquidity Adjustment Facility as an instrument of liquidity management in the economy. (7)

(अ) इक्विटी अनुबंधों में प्रमुख एजेंट समस्या बताती है कि इक्विटी अनुबंधों की तुलना में वित्तीय बाजारों में ऋण अनुबंध अधिक प्रचलित क्यों हैं। क्या ऋण अनुबंधों के प्रयोग से नैतिक जोखिम की समस्या का समाधान हो जाता है?

(ब) अर्थव्यवस्था में तरलता प्रबंधन के साधन के रूप में तरलता समायोजन सुविधा की चर्चा कीजिए।

3. (a) Discuss the role of margin requirements in future contracts. "Futures contracts are leveraged instruments that can be used to control risk." Elucidate. (8)

(b) Using a hypothetical example explain the profit/loss profiles of long call options. (7)

(अ) भविष्य अनुबंधों में मार्जित आवश्यकताओं की भूमिका पर चर्चा करें। फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट लीवरेज्ड इंस्ट्रूमेंट हैं जिनका इस्तेमाल जोखिम को नियंत्रित करने के लिए किया जा सकता है। स्पष्ट करें।

(ब) एक काल्पनिक उदाहरण का प्रयोग करते हुए लंबी कॉल विकल्पों के लाभ/हानि प्रोफाइल की व्याख्या करें।

4. (a) Preferred habitat hypothesis explains generally upward sloping yield curve based on the empirical evidence. Discuss. (9)

(b) Explain why an investor who purchases a callable bond requires a call premium. (6)

(अ) अधिमानित आवास परिकल्पना आम तौर पर अनुभवजन्य साक्ष्य के आधार पर ऊपर की ओर झुका हुआ उपज वक्र बताती है। विवेचन करें।

- (ब) समझाएं कि एक निवेशक जो कॉल करने योग्य बांड खरीदता है उसे कॉल प्रीमियम की आवश्यकता क्यों होती है।

5. (a) Critically examine how the MCLR system is an improvement over Base rate. (6)

(b) Suppose the central bank decides to make Rs. 100,000 open market sale. If high powered money (H) = Rs. 25,00,000/-, required reserve ratio (rr) 0.4, excess reserve ratio (er) = 0.05 and currency deposit ratio (cd) = 0.25, what will be the total currency holdings of the public? (9)

(अ) समालोचनात्मक रूप से जांच कीजिए कि कैसे एमसीएलआर प्रणाली आधार दर पर एक सुधार है।

(ब) मान लीजिए कि केंद्रीय बैंक 100,000 रुपये बनाने के लिए खुले बाजार में बिक्री का फैसला करता है। यदि उच्च शक्ति वाला धन (H) = रु. 25,00,000 /- , आवश्यक आरक्षित अनुपात (rr) 0.4, अतिरिक्त आरक्षित अनुपात (er) = 0.05 और मुद्रा जमा अनुपात (cd) = 0.25, जनता की कुल मुद्रा होल्डिंग क्या होगी?

6. What is the General Monetary Policy framework? Briefly describe the evolution of various monetary policy frameworks in India since the mid-1980s. (15)

सामान्य मौद्रिक नीति ढांचा क्या है? 1980 के दशक के मध्य से भारत में विभिन्न मौद्रिक नीति ढांचे के विकास का संक्षेप में वर्णन करें।

7. (a) Examine the following statements in the Context of Basel III in International and Indian context :

(i) "It was actually the risk sensitive framework of Basel II that caused the 2008 Global Financial crisis".

(ii) Basel III is an Improvement over Basel II. (10)

- (b) Weighted monetary Aggregates have deficiencies of operationalization rather than conceptualization as compared to simple sum aggregates. Elucidate. (5)

(अ) अंतरराष्ट्रीय और भारतीय संदर्भ में बेसल III के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों की जांच करें :

(i) “वास्तव में यह बेसल II का जोखिम संवेदनशील ढांचा था जिसने 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट का कारण बना”।

(ii) बेसल III, बेसल II की तुलना में एक सुधार है।

(ब) भारत मौद्रिक समग्र में सरल योग समग्र की तुलना में अवधारणा के बजाय संचालन की कमियां हैं। स्पष्ट करें।

8. Write short notes on **any two** of the following :

- (i) Interest rate Channel
- (ii) Lemons problem in Financial Markets
- (iii) D-SIBs and G-SIBs (15)

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

- (i) ब्याज दर चैनल

(ii) वित्तीय बाजारों में लेमन की समस्या .

(iii) डी-एसआईबी और जी-एसआईबी